प्रमाण परीक्षा (फोल्डर नं. ००११०२)

मूल-आचार्य विद्यानन्द – सम्पादक-दरबारीलाल कोठिया

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

सम्पादकीय

प्राक्कथन

प्रस्तावना-विषयानुक्रम

प्रस्तावना

प्रमाण-परीक्षा ---------- १

ग्रन्थ परिचय ---------- १

नाम ---------- १

भाषा व शैली ---------- १

उद्देश्य व प्रयोजन ---------- २

विभाग ---------- २

विषय परिचय ---------- ३

मङ्गलाचरण ---------- ४

प्रमाण लक्षण ---------- ५

वैशेषिक दर्शन ---------- ५

न्याय दर्शन ---------- ५

मीमांसा दर्शन ---------- ६

सांख्य दर्शन ---------- ६

बौद्ध दर्शन ---------- ६

जैन चिन्तकों द्वारा प्रमाणस्वरूप विमर्श ---------- ७

कुन्दकुन्द ---------- ७

गृद्धपिच्छ ---------- ८

समन्तभद्र ---------- ८

सिद्धसेन ---------- ९

पूज्यपाद ---------- ९

अकलंक ---------- ११

विद्यानन्द ---------- १२

माणिक्यनन्दि ---------- १३

देवसूरि ---------- १३

हेमचन्द्र ---------- १३

अभिनव धर्मभूषण ---------- १४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

प्रमाण परीक्षामें प्रमाणस्वरूप-मीमांसा -- १५-५२
सन्निकर्ष परीक्षा -- १५
सम्यग्ज्ञानमें स्वार्थव्यवसायात्मकत्वकी सिद्धि --- २०
बौद्धाभिमत अव्यवसायात्मक प्रत्यक्षकी मीमांसा --२१
अनुमानसे सविकल्पक प्रत्यक्षकी सिद्धि ---३१
विज्ञानाद्वैत-परीक्षा --३१
परमब्रह्म-परीक्षा --- ३३
अस्वसंवेदिज्ञान-परीक्षा --- ३७
परोक्षज्ञान-परीक्षा --- ४४
प्रधानपरिणामज्ञानपरीक्षा --- ४७
तत्त्वोपप्लव-परीक्षा --- ४८
प्रामाण्य-परीक्षा --- ५२-५३
प्रमाणसंख्या-परीक्षा --- ५३-१०५
प्रत्यक्ष-परोक्षप्रमाणद्वयसिद्धि --- ५३
प्रत्यक्षैकप्रमाणसमीक्षा --- ५३
प्रत्यक्षानुमानप्रमाणद्वय-समीक्षा --- ५७
तर्कप्रमाण विमर्श --- ५९
वैशेषिकमत-समीक्षा और तर्कप्रमाण सिद्धि --- ६२
सांख्यादिमत समीक्षा -- ६४
स्मृतिप्रमाण-विमर्श -- ६६
प्रत्यक्ष विमर्श --- ६७
प्रत्यक्ष भेद -- ६९
इन्द्रिय-प्रत्यक्ष -- ७१
अनिन्द्रिय-प्रत्यक्ष -- ७१
अतीन्द्रिय-प्रत्यक्ष -- ७२
विकल-प्रत्यक्ष -- ७२
सकल-प्रत्यक्ष -- ७२
विकलप्रत्यक्ष भेद --- ७२
अवधिज्ञान -- ७२
मनःपर्ययज्ञान -- ७३
केवलज्ञान विमर्श --- ७४
परोक्षका विशेष विमर्श --- ७४
स्मृति विमर्श --- ७५
प्रत्यभिज्ञान विमर्श -- ७५
तर्क विमर्श -- ७९-९७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अनुमान विमर्श-- ७९
हेतुस्वरूप विमर्श -- ७९
त्रैरूप्यहेतुलक्षण-समीक्षा -- ८०
पांचरुप्यहेतुलक्षण समीक्षा -- ८५
हेतु भेद विमर्श -- ८६
विधि-साधक-विधि साधन -- ८६
कार्यहेतु -- ८६
कारणहेतु --- ८६
अकार्यकारणहेतु --- ८६
व्याप्यहेतु --- ८६
सहचरहेतु --- ८७
पूर्वचरहेतु --- ८७
उत्तरचरहेतु -- ८७
साक्षात् प्रतिषेध साधक-विधि साधन -- ८७
विरुद्ध कार्य -- ८७
विरुद्ध कारण --- ८८
विरुद्ध अकार्यकारण -- ८८
विरुद्ध व्याप्य -- ८८
विरुद्ध सहचर -- ८८
विरुद्ध पूर्वचर -- ८८
विरुद्ध उत्तरचर --- ८८
परम्परा प्रतिषेधसाधक विधिसाधन -- ८८
कारणविरुद्धकार्य -- ८८
व्यापकविरुद्धकार्य --- ८९
कारणव्यापक विरुद्धकार्य -- ८९
व्यापककारणविरुद्धकार्य -- ८९
कारणविरुद्धकारण -- ८९
व्यापकविरुद्धकारण --- ८९
कारणव्यापकविरुद्ध कारण --- ८९
व्यापककारणविरुद्धकारण --- ८९
कारणविरुद्धव्याप्य -- ८९
व्यापकविरुद्धव्याप्य --- ८९
कारणव्यापकविरुद्धव्याप्य -- ९०
व्यापककारणविरुद्धव्याप्य -- ९०
कारणविरुद्धसहचर -- ९०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

व्यापकविरुद्धसहचर -- ९०
कारणव्यापकविरुद्धसहचर -- ९०
व्यापककारणविरुद्धसहचर -- ९०
विधिसाधक-प्रतिषेधसाधन -- ९१
विरुद्धकार्यानुपलब्धि -- ९१
विरुद्धकारणानुपलब्धि --- ९१
विरुद्धस्वाभावानुपलब्धि --- ९१
विरुद्धसहचरानुपलब्धि -- ९१
विधिप्रतिषेधक-प्रतिषेधसाधन --- ९१
अविरुद्धकार्यानुपलब्धि -- ९१
अविरुद्धकारणानुपलब्धि -- ९२
अविरुद्धव्यापकानुपलब्धि --- ९२
अविरुद्धसहचरानुपलब्धि -- ९२
अविरुद्धपूर्वचरानुपलब्धि --- ९२
अविरुद्धउत्तरचरानुपलब्धि -- ९२
बौद्धसम्मत हेतुभेद परीक्षा --- ९३
न्यायसम्मत हेतुभेद परीक्षा -- ९३
सांख्यसम्मत हेतुभेद परीक्षा --- ९५
साध्यस्वरूप विमर्श -- ९६
स्वार्थानुमान विमर्श -- ९६
परार्थानुमान विमर्श -- ९६
वचनात्मक परार्थानुमान-मीमांसा --- ९६
वचनात्मक परार्थप्रत्यक्षका आपादन -- ९६
श्रुतज्ञान विमर्श-- ९७
श्रुतज्ञान स्वरूप -- ९७
श्रुतज्ञान बेद --- ९८
श्रुतकी कथंचित् पौरुषेय-अपौरुषेयसिद्धि -- ९९
श्रुतके आर्ष-अनार्ष भेद --- १०३
वेद-मीमांसा --- १०३
प्रमाणविषय-परीक्षा ---१०५-१०६
प्रमाणका विषय द्रव्य पर्यायात्मक -- १०५
केवल पर्याय प्रमाण का विषय नहीं है -- १०५
केवल द्रव्य भी प्रमाण का विषय नहीं है --- १०६
प्रमाणफल परीक्षा-- १०६-११०
प्रमाणका फल कथंचित् भिन्न और कतंचित् अभिन्न है --------------------------------- १०७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

प्रमाणका साक्षात् फल --- १०७
प्रमाणका परम्पराफल --- १०७
प्रमाणफलको भिन्न स्वीकार करनेमें दोष --- १०८
सर्वथा अभिन्न मानने में दोष -- १०८
संवृत्तिसे प्रमाण फल व्यवहार करने में दोष -- १०९
ग्रन्थकार -- १११-१२०
विद्यानन्द-परिचय -- १११
जैनदर्शनको उनकी देन ---११३
कृतियाँ ---११३
नया चिन्तन -- ११५
भावना विधि नियोग -- ११५
जाति समीक्षा -- ११६
सह-क्रमानेकान्तकी परिकल्पना --- ११६
व्यवहार और निश्चय द्वारा वस्तु-विवेचन --११८
उपादान और निमित्त का विचार --११८
परिशिष्ट --१२१

प्रमाण परीक्षा – विषयसूची

प्रमाणलक्षण परीक्षा-- १-२८
सम्यग्ज्ञानप्रमाणसिद्धि -- १
सन्निकर्ष-परीक्षा --- १-५
सम्यग्ज्ञानमें स्वार्थ व्यवसायात्मकत्वसिद्धि -- ५
अव्यवसायात्मकत्व परीक्षा --- ५-१२
अर्थाव्यवसायात्मकत्व परीक्षा ---१३
योगाचारमतपरीक्षा --- १४
वेदान्तमत-परीक्षा--- १४
स्वप्नज्ञानमें अर्थ व्यवसायात्मकत्व सिद्धि -- १६
अस्वसंवेदिज्ञान परीक्षा -- १७
परोक्षज्ञान परीक्षा ---२१
प्रधानपरिणामज्ञान परीक्षा --- २३
भूतचैतन्य परीक्षा --- २४
तत्त्वोपप्लव परीक्षा -- २४
अद्वैत-परीक्षा --- २७
प्राणाण्य-परीक्षा --- २७
प्रमाणसंख्या परीक्षा -- २८-६५
प्रमाणद्वय सिद्धि -- २८-३७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

प्रत्यक्षैकप्रमाण परीक्षा ---------- २८-३०
प्रत्यक्षानुमानप्रमाणद्वय परीक्षा ---------- ३१-३४
वैशेषिकमत परीक्षा ---------- ३४-३५
सांख्यमत-परीक्षा ---------- ३५
नैयायिकमत परीक्षा ---------- ३५
प्राभाकर-परीक्षा ---------- ३५
भाट्टमत-परीक्षा ---------- ३५
प्रत्यक्ष सिद्धि ---------- ३७-४१
प्रत्यक्ष स्वरूप ---------- ३७
प्रत्यक्ष भेद ---------- ३८
स्वसंवेदनप्रत्यक्षपरीक्षा ---------- ३९
इन्द्रियप्रत्यक्ष ---------- ३९
इन्द्रियप्रत्यक्षभेद ---------- ३९-४०
अनिन्द्रियप्रत्यक्ष ---------- ४०
अतीन्द्रियप्रत्यक्ष ---------- ४०
अतीन्द्रियप्रत्यक्षभेद ---------- ४०
अवधिज्ञान ---------- ४०
मनःपर्ययज्ञान ---------- ४०
केवलज्ञान ---------- ४१
परोक्ष-सिद्धि ----------४१-६५
परोक्ष स्वरूप ---------- ४१
परोक्ष भेद ---------- ४१
मतिज्ञान ---------- ४१
श्रुत ज्ञान ---------- ४१
परोक्षके दार्शनिक भेद ---------- ४२
स्मृति ---------- ४२
प्रत्यभिज्ञा ---------- ४२
तर्क ---------- ४४
अनुमान ---------- ४५-४८
त्रैरूप्य परीक्षा ---------- ४५-४९
पाँचरूप्य-परीक्षा ---------- ४९
साधन-लक्षण ---------- ४९
साधन भेद ---------- ४९-५७
साध्य-लक्षण ---------- ५७
श्रुत ---------- ५८-६५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

प्रमाणविषय परीक्षा -- ६५
प्रमाणफल परीक्षा -- ६६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org